प्रश्नकोश

1. भारतवर्ष का सर्वप्रथम किसान आंदोलन था—

(a) चंपारण (b) बारदोली
(c) बेगू (d) बिजौलिया

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर—(d)

प्रश्नगत विकल्पों में भारतवर्ष का सर्वप्रथम किसान आंदोलन बिजौलिया आंदोलन था। बिजौलिया आंदोलन का नेतृत्व वर्ष 1913 में साधु सीताराम दास ने किया तथा वर्ष 1915 में विजय सिंह पथिक इस आंदोलन से जुड़े।

2. निम्न में से कौन फरवरी, 1918 में स्थापित यू.पी. किसान सभा की स्थापना से संबद्ध नहीं था?

(a) इंद्रनारायण द्विवेदी (b) गौरीशंकर मिश्र
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) मदन मोहन मालवीय

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर—(c)

अवध में होमरूल लीग आंदोलन के कार्यकर्ता काफी सक्रिय थे। इन्होंने किसानों को संगठित करना शुरू किया। संगठन को नाम दिया गया 'किसान सभा'। फरवरी, 1918 में इंद्र नारायण द्विवेदी, गौरीशंकर मिश्र और मदन मोहन मालवीय के प्रयासों से 'यू.पी. किसान सभा' की स्थापना हुई।

3. 'नाई-धोबी बंद' सामाजिक बायकाट का एक स्वरूप था, जो 1919 में—

(a) किसानों द्वारा प्रतापगढ़ जिले में चलाया गया था।
(b) साधुओं द्वारा चलाया गया आंदोलन जिससे निम्न जाति के लोगों का उद्धार हो सके।
(c) जमींदारों द्वारा गांव की निम्न जातियों के विरुद्ध उठाया गया कदम।
(d) निम्न जातियों द्वारा ठेकेदारों के विरुद्ध उठाया गया आंदोलन।

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(a)

वर्ष 1919 के अंतिम दिनों में किसानों का संगठित विद्रोह खुलकर सामने आया। अवध के प्रतापगढ़ जिले की एक जागीर में 'नाई-धोबी बंद' सामाजिक बहिष्कार एवं संगठित कार्रवाई की पहली घटना थी। झिंगुरी सिंह और दुर्गापाल सिंह ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन जल्दी ही आंदोलन में एक नया चेहरा उभरा—बाबा रामचंद्र, जिन्होंने आंदोलन की बागडोर ही नहीं संभाली, अपितु उसे और मजबूत एवं जुझारू बनाया। बाबा रामचंद्र महाराष्ट्र के ब्राह्मण परिवार के थे। वर्ष 1920 के मध्य में वे एक किसान नेता के रूप में उभरे तथा उन्होंने अवध के किसानों को संगठित करना शुरू किया। उनमें संगठन की अद्भुत क्षमता थी। वर्ष 1920 में इनके प्रयासों से प्रतापगढ़ में 'अवध किसान सभा' का गठन हुआ।

4. वह प्रदेश कौन था, जहां बाबा रामचंद्र ने किसानों को संगठित किया?

(a) अवध (b) बिहार
(c) बंगाल (d) आंध्र

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008
U.P. U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. 1930 के दशक में देश के विभिन्न भागों के भिन्न-भिन्न नेताओं द्वारा किसान आंदोलन चलाए गए थे। उनके प्रभाव क्षेत्रों से सुमेलित कीजिए—

(A) सहजानंद सरस्वती	**1. हैदराबाद**
(B) खुदाई खिदमतगार	**2. दक्षिणी असम**
(C) स्वामी रामानंद	**3. बिहार**
(D) अब्दुल हमीद खां	**4. एन.डब्ल्यू. एफ.पी.**

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	2	1
(d)	2	4	1	3

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर—(b)

सहजानंद सरस्वती बिहार प्रांतीय किसान सभा के संस्थापक थे। वर्ष 1936 में लखनऊ में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस की स्थापना हुई, जिसका नाम बाद में बदलकर 'अखिल भारतीय किसान सभा' कर दिया गया, इसका अध्यक्ष भी स्वामी सहजानंद को ही बनाया गया। पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत (NWFP) में खान अब्दुल गफ्फार खां के नेतृत्व में गठित खुदाई खिदमतगार या लालकुर्ती संगठन ने सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वामी रामानंद हैदराबाद एवं अब्दुल हमीद खां दक्षिणी असम से संबद्ध थे।

6. इनमें से कौन 1930 के दशक में किसान सभा आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े थे?

(a) स्वामी विद्यानंद (b) स्वामी सहजानंद
(c) बाबा रामानंद (d) सरदार पटेल

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

1930 के दशक में किसान सभा आंदोलन से स्वामी सहजानंद सरस्वती सक्रिय रूप से जुड़े थे। 'बिहार किसान सभा' का गठन इन्होंने ही किया तथा अप्रैल, 1936 में लखनऊ में संपन्न प्रथम अखिल भारतीय किसान सम्मेलन का अध्यक्ष इन्हीं को चुना गया।

Scanned with OKEN Scanner

7. **अवध के एका आंदोलन का उद्देश्य क्या था?**
(a) सरकार को लगान देना बंद करना
(b) जमींदारों के अधिकारों की रक्षा करना
(c) सत्याग्रह की समाप्ति
(d) लगान का नकद में परिवर्तन

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

एका आंदोलन (1921-22) का नेतृत्व पिछड़ी जाति के मदारी पासी ने किया था। इस आंदोलन में, जिसकी गतिविधि के मुख्य केंद्र हरदोई, बाराबंकी, बहराइच तथा सीतापुर थे, किसानों की मुख्य शिकायतें जमीदारों द्वारा लगान में बढ़ोत्तरी और उपज के रूप में लगान वसूल करने की प्रथा को लेकर थीं। किसानों से 50 प्रतिशत से अधिक लगान वसूल किया जा रहा था। जमींदारों के गुर्गे ठेकेदार किसानों को प्रताड़ित करते थे। एका आंदोलन का राष्ट्रवादियों द्वारा निर्धारित अहिंसक नीतियों में विश्वास कम था। फलस्वरूप राष्ट्रवादी नेता आंदोलन से अलग-थलग पड़ गए और आंदोलन ने दूसरी राह पकड़ ली। इस आंदोलन में सरकार को लगान देना बंद नहीं किया गया, बल्कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग थी–''बढ़ती महंगाई के कारण लगान का नकद में रूपांतरण किया जाए।''

8. **एका आंदोलन का प्रारंभ किया गया था–**
(a) महाराष्ट्र के किसानों द्वारा
(b) बंगाल के किसानों द्वारा
(c) पंजाब के किसानों द्वारा
(d) उत्तर प्रदेश के हरदोई, बाराबंकी एवं अन्य स्थानों के किसानों द्वारा

U.P.P.S.C. (GIC) 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. **बिहार प्रांतीय किसान सभा का गठन किसने किया?**
(a) स्वामी सहजानंद सरस्वती (b) राम सुंदर सिंह
(c) गंगा शरण सिन्हा (d) रामानंद मिश्रा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

बिहार में किसान आंदोलन की शुरुआत स्वामी सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में हुई। सहजानंद सरस्वती ने वर्ष 1929 में बिहार प्रांतीय किसान सभा की स्थापना की। इस सभा का विस्तार बिहार के गांवों में करने में उन्हें कार्यानंद शर्मा, राहुल सांकृत्यायन, पंचानन शर्मा, मदुनंदन शर्मा आदि वामपंथी नेताओं का सहयोग मिला।

10. **स्वामी सहजानंद सरस्वती ने एक पत्रिका का प्रकाशन किया, जिसका नाम था–**
(a) जनक्रांति (b) हुंकार
(c) कृषक समाचार (d) विद्रोही
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C (Pre.) 2017

उत्तर–(b)

स्वामी सहजानंद सरस्वती आधुनिक भारत के प्रमुख कृषक नेता थे। इन्होंने हुंकार नामक पत्रिका का प्रकाशन किया।

11. **स्वामी सहजानंद निम्न में से किससे संबंधित थे?**
(a) बिहार में जनजातीय आंदोलन
(b) बिहार में मजदूर आंदोलन
(c) बिहार में किसान आंदोलन
(d) बिहार में जाति आंदोलन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. **अखिल भारतीय किसान सभा के प्रथम सत्र की अध्यक्षता किसने की?**
(a) स्वामी सहजानंद (b) इन्दुलाल याज्ञिक
(c) एन.एन. रंगा (d) पी.सी. जोशी

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

अप्रैल, 1936 में लखनऊ में 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' की स्थापना हुई, जिसका नाम बदलकर 'अखिल भारतीय किसान सभा' कर दिया गया। बिहार प्रांतीय किसान सभा के संस्थापक स्वामी सहजानंद सरस्वती इसके अध्यक्ष और आंध्र में किसान आंदोलन के अगुआ तथा कृषि क्षेत्र की समस्याओं के विद्वान एन.जी. रंगा इसके महासचिव चुने गए। फैजपुर में कांग्रेस सत्र के साथ अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का भी दूसरा सत्र चला, जिसकी अध्यक्षता एन.जी. रंगा ने की।

13. **1936 में लखनऊ में अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम अध्यक्ष किसे चुना गया?**
(a) एन.जी. रंगा (b) ई.एम.एस. नम्बूद्रिपाद
(c) स्वामी सहजानंद सरस्वती (d) आचार्य नरेंद्र देव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

14. लखनऊ में स्थापित 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' के महासचिव के रूप में निम्नलिखित में से किसे चुना गया था?

(a) स्वामी सहजानंद (b) एन.जी. रंगा

(c) इंदुलाल याज्ञिक (d) राम मनोहर लोहिया

U.P. R.O./ A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' का गठन किया गया था-

(a) 1936 ई. (b) 1939 ई.

(c) 1942 ई. (d) 1945 ई.

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. वह कौन जगह थी, जहां अखिल भारतीय किसान सभा का पहला अधिवेशन हुआ था?

(a) इलाहाबाद (b) कलकत्ता

(c) लखनऊ (d) पटना

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. अखिल भारतीय किसान सभा के संस्थापक अध्यक्ष थे–

(a) आचार्य नरेंद्र देव (b) स्वामी सहजानंद सरस्वती

(c) बंकिम मुखर्जी (d) जयप्रकाश नारायण

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. स्वामी सहजानंद का संबंध था–

(a) बिहार के जनजातीय आंदोलनों के साथ

(b) बिहार के जातीय आंदोलनों के साथ

(c) बिहार के किसान आंदोलनों के साथ

(d) बिहार के मजदूर आंदोलनों के साथ

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. बिहार किसान सभा से कौन जुड़ा था?

(a) स्वामी सहजानंद (b) कार्यानंद शर्मा

(c) राहुल सांस्कृत्यायन (d) यदुनंदन शर्मा

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(e)

बिहार प्रांतीय किसान सभा से स्वामी सहजानंद सरस्वती, कार्यानंद शर्मा, यदुनंदन शर्मा आदि अनेक किसान नेता जुड़े थे।

20. स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 'भूमि और जलमार्ग के राष्ट्रीयकरण' की मांग के साथ अखिल भारतीय संयुक्त किसान सभा गठन किया–

(a) उनकी मृत्यु से ठीक पहले

(b) बहुत कम उम्र में

(c) 1930 के दशक में

(d) 1920 के दशक में

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

अखिल भारतीय किसान सभा का गठन स्वामी सहजानंद सरस्वती द्वारा वर्ष 1936 में किया गया था। स्वामी सहजानंद की मृत्यु वर्ष 1950 में हुई थी। स्वामी सहजानंद सरस्वती ने अखिल भारतीय संयुक्त किसान सभा का गठन अपनी मृत्यु से ठीक पहले किया था। इस सभा का उद्देश्य भूमि, जलमार्ग और ऊर्जा के सभी स्रोतों का राष्ट्रीयकरण था।

21. निम्नलिखित में से किस एक कांग्रेसी नेता ने प्रथम अखिल भारतीय किसान सभा में भाग लिया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) एम.के. गांधी

(c) सुभाष चंद्र बोस (d) राजेंद्र प्रसाद

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(a)

अखिल भारतीय किसान सभा (1936) को जवाहरलाल नेहरू ने भी संबोधित किया था। इसी अधिवेशन में स्वामी सहजानंद सरस्वती को इस सभा का अध्यक्ष और एन.जी. रंगा को महासचिव चुना गया था।

22. इनमें से कौन बिहार में किसान आंदोलन के साथ जुड़े थे?

(a) राजेंद्र प्रसाद (b) सी.आर. दास

(c) मोतीलाल नेहरू (d) भगत सिंह

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नगत विकल्पों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद बिहार में किसान आंदोलन से जुड़े थे। ये संविधान सभा के अध्यक्ष थे। संविधान लागू होने के बाद वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I	सूची-II
A. बारदोली सत्याग्रह	1. स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती
B. भारतीय किसान संस्थान	2. सरदार वल्लभभाई पटेल
C. बंगाल प्रजा पार्टी	3. फजलुल हक
D. बाकाश्त संघर्ष	4. एन.जी. रंगा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	2	4	3	1
(c)	1	4	2	3
(d)	4	1	3	2

U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर—(b)

वर्ष 1928 में सूरत जिले के बारदोली तालुके में गांधीवादी आंदोलन और सत्याग्रह को पर्याप्त सफलता मिली। यहां मेहता बंधु सरीखे गांधीजी के अनुयायियों ने वर्ष 1922 से ही निरंतर अभियान चला रखा था। वर्ष 1928 में यहां कृषक आंदोलन का नेतृत्व वल्लभभाई पटेल ने किया था, जो बारदोली सत्याग्रह के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसी आंदोलन में सफलता के कारण पटेल को बारदोली की महिलाओं ने 'सरदार' की उपाधि प्रदान की। भारतीय किसान संस्थान की स्थापना एन.जी. रंगा ने की थी। वर्ष 1929 में फजलुल हक ने प्रजा पार्टी (जो बाद में बंगाल प्रजा पार्टी बनी) की स्थापना की। वर्ष 1937 में हुए चुनावों के बाद इन्होंने बंगाल में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाई। बिहार का बाकाश्त (स्वयं खेती की भूमि) संघर्ष स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती से संबंधित है।

24. 'बारदोली सत्याग्रह' का सफल नेतृत्व किसने किया?

(a) वल्लभभाई पटेल (b) मोतीलाल नेहरू
(c) जे.बी. कृपलानी (d) जवाहरलाल नेहरू
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. बारदोली सत्याग्रह (1928) का नेतृत्व किया—

(a) सरदार वल्लभभाई पटेल ने
(b) महात्मा गांधी ने
(c) विट्ठलभाई पटेल ने
(d) महादेव देसाई ने

I.A.S. (Pre) 2003
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. निम्न में से किस आंदोलन में सरदार वल्लभभाई पटेल ने मुख्य भूमिका निभाई?

(a) बिजौलिया आंदोलन
(b) डांडी मार्च
(c) अहमदाबाद में कपड़ा मिल श्रमिकों की हड़ताल
(d) बारदोली सत्याग्रह

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि किसने दी?

(a) महात्मा गांधी (b) पंडित नेहरू
(c) मौलाना आजाद (d) कस्तूरबा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1997

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि उनकी बड़ी संगठन क्षमता के कारण किस आंदोलन में दी थी?

(a) खेड़ा सत्याग्रह में (b) बारदोली सत्याग्रह में
(c) नमक सत्याग्रह में (d) व्यक्तिगत सत्याग्रह में

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. बंगाल के तिभागा किसान आंदोलन की क्या मांग थी?

(a) जमींदारों की हिस्सेदारी को फसल के आधे भाग से कम करके एक-तिहाई करना
(b) भूमि का वास्तविक खेतिहर होने के नाते, भू-स्वामित्व कृषकों को प्रदान करना
(c) जमींदारी प्रथा का उन्मूलन तथा कृषि दासता का अंत

Scanned with OKEN Scanner

(d) कृषकों के समस्त ऋणों को रद्द करना

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

सितंबर, 1946 में बंगाल की 'प्रांतीय किसान सभा' द्वारा तिभागा आंदोलन प्रारंभ किया गया। इस आंदोलन में बर्गादारों (बंटाईदारों) की मांग थी कि जमींदारों का फसल में हिस्सा आधे भाग से कम करके एक-तिहाई किया जाए तथा शेष दो-तिहाई हिस्सा बर्गादारों का हो। इस आंदोलन से उत्तरी बंगाल के जिले विशेष रूप से प्रभावित हुए।

30. 'तिभागा आंदोलन' वर्ष 1946 में बंगाल में आरंभ हुआ–

(a) मुस्लिम लीग के नेतृत्व में

(b) किसान सभा के नेतृत्व में

(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में

(d) श्रमिक संघ के नेतृत्व में

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. Re-Exam (Pre) 2020

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. भूदान आंदोलन का सर्वप्रथम प्रारंभ किस राज्य में हुआ था?

(a) आंध्र प्रदेश में (b) कर्नाटक में

(c) तमिलनाडु में (d) उत्तर प्रदेश में

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

आचार्य विनोबा भावे द्वारा भूदान आंदोलन का प्रारंभ 18 अप्रैल, 1951 को तत्कालीन आंध्र प्रदेश के तेलंगाना क्षेत्र में पोचमपल्ली ग्राम से किया गया। भूदान आंदोलन भूमि सुधार करने; कृषि में संस्थागत परिवर्तन लाने की एक कोशिश थी। प्रसिद्ध गांधीवादी, रचनात्मक कार्यकर्ता आचार्य विनोबा भावे 1950 के दशक के आरंभ में इस आंदोलन के लिए गांधीवादी तकनीकों एवं रचनात्मक कार्यों तथा ट्रस्टीशिप जैसे विचारों को प्रयोग में लाए। जयप्रकाश नारायण भी सक्रिय राजनीति छोड़कर वर्ष 1953 में भूदान आंदोलन से जुड़ गए थे। वर्ष 1955 के अंत तक भूदान आंदोलन ने एक नया रूप धारण किया वह था ग्रामदान का। ग्रामदान आंदोलन की शुरुआत उड़ीसा में हुई और वहां यह सफल रहा।

32. आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन के प्रारंभ में निम्नलिखित स्थानों में से कौन-सा एक उससे संबद्ध था?

(a) उदयगिरि (b) रायपुर

(c) पोचमपल्ली (d) वेंकटगिरि

I.A.S. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. 'भूदान आंदोलन' की शुरुआत हुई थी–

(a) उत्तर प्रदेश राज्य में (b) मध्य प्रदेश राज्य में

(c) आंध्र प्रदेश राज्य में (d) हिमाचल प्रदेश राज्य में

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. भूदान आंदोलन किसने प्रारंभ किया?

(a) जयप्रकाश नारायण (b) जे.बी. कृपलानी

(c) विनोबा भावे (d) श्री गुरुजी

M.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

ट्रेड यूनियन एवं साम्यवादी दल

नोट्स

***वी.पी. वाडिया** के नेतृत्व में वर्ष **1918 में स्थापित मद्रास मजदूर संघ भारत का प्रथम आधुनिक मजदूर संघ संगठन** था। * इसके शीघ्र बाद बंबई में दो, कलकत्ता में एक (भारतीय नाविक संघ) और मद्रास में चार मजदूर संघ बने। ***अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन की स्थापना** वर्ष **1918 में महात्मा गांधी ने** की थी। *भारत में **ट्रेड यूनियन कांग्रेस** (अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस) की **स्थापना एन.एम. जोशी** द्वारा **31 अक्टूबर, 1920 को बंबई में** की गई। * इसकी स्थापना का कारण वर्ष **1919 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना** था। * इसलिए भारतीय श्रमिक संगठनों ने आपस में संगठित होने का फैसला किया। * इसके **प्रथम अध्यक्ष लाला लाजपत राय** थे तथा **उपाध्यक्ष जोसेफ बैपटिस्टा** एवं **महामंत्री दीवान चमनलाल बजाज** थे। * इस संगठन का **प्रथम विभाजन** वर्ष **1929 में नागपुर अधिवेशन** में हुआ। * इस समय **जवाहरलाल इसके अध्यक्ष** थे। ***कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की स्थापना मार्च, 1919** में व्लादिमीर इल्यिच लेनिन और रूसी पार्टी (बोल्शेविक) द्वारा की गई थी। * **एम.एन. राय** लेनिन के निमंत्रण पर मॉस्को गए तथा **कम्युनिस्ट इंटरनेशनल के सदस्य** बने। *कम्युनिस्ट इंटरनेशनल के सदस्य बनने वाले वे **पहले भारतीय** थे। * कम्युनिस्ट आंदोलन की शक्ति एवं बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कानपुर में एक षड्यंत्र को आधार बनाकर कुछ कम्युनिस्टों पर मुकदमा चला। * यह मुकदमा **'कानपुर षड्यंत्र'** के नाम से प्रसिद्ध है। * ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1924 में एम.एन. राय, श्रीपाद अमृत डांगे, मुजफ्फर अहमद, शौकत उस्मानी, गुलाम शौकत हुसैन, रामचरण लाल शर्मा और सिंगार वेलू चेट्टियार पर कानपुर में मुकदमा चलाया। *सरकार ने उन

Scanned with OKEN Scanner